आरती – गणेशजी की

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।
माता थारी पार्वती पिता महादेवा ।।
एक दन्त दयावन्त, चार भुजा धारी ।
माथे पे सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी ।।
पान चढ़े पुष्प चढ़े और चढ़े मेवा ।
लड्डुवन का भोग लगे, संत करे सेवा ।।
अन्धन को आँख देत, कोढ़िन को काया ।
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ।।
सूर श्याम शरण में आए, सफल कीजे सेवा।
जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।।
दीनन की लाज राखो, शम्भू सूतधारी।
कामना को पूरा करो, जाऊँ बलिहारी।।
जो तेरा ध्यान धरे, ज्ञान मिले उसको।
तुझे छोड़ और भला, मैं ध्याऊँ किसको।।
हे देव कृपा करो, कष्ट हरो मेरा।
जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।
माता थारी पार्वती, पिता महादेवा ।।